web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 22 सितंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 355

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

कार की टक्कर से पिलर पर अटकी लड़की, पुलिस बल मौके पर मौजूद

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा में एलिवेटेड रोड के पिलर पर एक लडक़ी फंस गई। मौके पर मौजूद पुलिस बल और भीड़ उसे रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। लडक़ी अपनी स्कूटी से जा रही थी। नोएडा के सेक्टर-25 के सामने एलिवेटेड रोड पर उसे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके बाद वह पिलर पर फंस गईइसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने लडक़ी को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर सेक्टर-20 थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और लडक़ी के रेस्क्यू का प्रयास शुरू किया। बताया जा रहा है है कि स्कूटी चला रही लडक़ी को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी, जिससे ये घटना हुई। एलिवेटेड रोड के पिलर पर फंसी लडक़ी का रेस्क्यू किया जा रहा है। मौके पर पुलिस बल भी मौजूद है और इसकी सूचना फायर ब्रिगेड के अधिकारियों को भी दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लडक़ी के रेस्क्यू के बाद इस मामले की जांच की जाएगी और सीसीटीवी फुटेज के जरिए उस अज्ञात वाहन को ढूंढ निकाला जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि वाहन की रफ्तार काफी तेज रही होगी। इसी कारण स्कूटी से एक्सीडेंट होने के बाद लडक़ी काफी ऊंचाई से उछलकर पिलर पर जा गिरी।

बच्चे नहीं होने से परेशान कपल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ठाणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र के ठाणे से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक कपल ने केवल इसलिए फांसी लगाकर जान दे दी क्योंकि उनके बच्चे नहीं हो रहे थे। मृतकों की उम्र महज 28 साल और 25 साल है। पुलिस ने शनिवार को ये जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि हरेश उगाड़े (28) और उनकी पत्नी नीलम (25) के शव गुरुवार को शाहपुर के नादगांव इलाके में उनके अपार्टमेंट में लटके हुए पाए गए। उन्होंने बताया कि पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद शवों को एक सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम भेजा गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दंपति ने आत्महत्या का समझौता कर लिया था क्योंकि वे इस बात से निराश थे कि उनके कोई बच्चा नहीं हो सकता था, अधिकारी ने कहा, दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लेबनान के मुद्दे पर की आपात बैठक

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लेबनान में हिजबुल्लाह और इजरायली बलों के बीच सीमा पार गोलीबारी में वृद्धि और आतंकवादी समूह के सदस्यों को निशाना बनाने वाले घातक वायरलेस डिवाइस विस्फोटों के बाद आपातकालीन सत्र की बैठक की। संयुक्त राष्ट्र की राजनीतिक और शांति स्थापना मामलों की अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो ने शुक्रवार को कहा कि लेबनान और इजरायल के बीच की सीमा पर लगभग एक साल से हर दिन हिंसा हो रही है, जो बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा, दोनों तरफ से गोलीबारी यह संघर्ष विराम के निर्देश का बार-बार उल्लंघन है। यह सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का उल्लंघन है। लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बो हबीब ने कहा, इस आतंकवादी आक्रमण के माध्यम से इजरायल ने अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। इस हमले में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया है। विदेश मंत्री ने पूछा, जब निर्दोष लोग अपने दैनिक जीवन में व्यस्त हों और मोर्चे पर न लड़ रहे हों, तब उन पर हमला करना क्या आतंकवाद नहीं है? अरब समूह की ओर से संयुक्त राष्ट्र में सीरिया के स्थायी प्रतिनिधि कौसे अल्दह्हाक ने कहा है कि हाल के विनाशकारी हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून या मानवता का ख्याल किए बिना अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि अरब समूह सुरक्षा परिषद से मांग करता है कि वह इस साइबर आतंकवाद तथा गाजा में फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल के आक्रमणों और सीरिया सहित अन्य देशों पर हमलों की निंदा करे। सीरिया के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि सीरिया लेबनानी लोगों के खिलाफ आक्रामकता और जारी आतंकवाद की निंदा करता है। संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने कहा कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता है। उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर को जब दक्षिण में इजरायली नागरिकों का हमास द्वारा 'कत्लेआम' किया जा रहा था, तब हिजबुल्लाह ने उत्तर में नागरिकों पर सैकड़ों रॉकेट दागे। उन्होंने कहा कि तब से अब तक इजरायल पर 8,000 से अधिक रॉकेट 'बरसे' हैं, जिनमें 46 लोग मारे गए हैं और 294 अन्य घायल हुए हैं।

आतिशी बनीं दिल्ली की सबसे युवा मुख्यमंत्री, 5 अन्य मंत्रियों ने भी ली शपथ; विभागों का हुआ बंटवारा

नई दिल्ली

दिल्ली की नए मुख्यमंत्री (Delhi New CM) के रूप में आतिशी ने आज शपथ ग्रहण (Atishi Oath Ceremony) की. राजनिवास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई. इसी के साथ आतिशी दिल्ली की सबसे युवा मुख्यमंत्री भी बन गई हैं. साथ ही आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं. शपथ ग्रहण के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के आला नेता मौजूद रहे. उधर, विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया है.

सीएम आतिशी के पास 13 विभाग- मुख्यमंत्री आतिशी के पास वित्त, ऊर्जा, शिक्षा, सर्विसेज और पानी सहित कुल 13 विभाग रहेंगे. इसके साथ ही सौरभ भारद्वाज स्वास्थ्य विभाग समेत कुल 8 विभाग संभालेंगे तो गोपाल राय पहले की तरह पर्यावरण मंत्री बने रहेंगे. इसके साथ ही कैलाश गहलोत के पास भी पहले की तरह परिवहन विभाग होगा. साथ ही इमरान हुसैन को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग सौंपा गया है. वहीं मुकेश अहलावत को श्रम और एससी-एसटी विभाग का जिम्मा सौंपा गया है.

नई सरकार में मुकेश अहलावत नया चेहरा - आतिशी के अलावा 5 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की. आतिशी सरकार में जिन लोगों को मंत्री बनाया गया है, उनमें से ज्यादातर पुराने चेहरे हैं. नई सरकार में मुकेश अहलावत अकेला नया चेहरा हैं. पुराने चेहरों में सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, गोपाल राय और इमरान हुसैन ने भी मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की. यह चारों केजरीवाल सरकार में मंत्री रह चुके हैं.

आतिशी ने नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वह निवर्तमान सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा उन पर जताए गए भरोसे से खुश हैं लेकिन इस बात से दुखी भी हैं कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव के बाद केजरीवाल को मुख्यमंत्री के रूप में वापस लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी.

साथ ही कहा, "सबसे पहले, मैं दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मेरे गुरु अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद देना चाहती हैं, जिन्होंने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी और इसके लिए मुझ पर भरोसा जताया. यह केवल आम आदमी पार्टी और केवल अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में ही हो सकता है कि कोई राजनेता पहली बार किसी राज्य का मुख्यमंत्री बने. मैं साधारण परिवार से आती हूं. अगर मैं किसी और पार्टी में होती तो शायद मुझे चुनाव का टिकट भी नहीं मिलता.''

आतिशी ने पूर्व CM केजरीवाल से की मुलाकात - शपथ ग्रहण से पहले आतिशी और उनके मंत्रिमंडल में हिस्सा बनने वाले नेताओं ने यहां आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भेंट कीं. आतिशी, आप नेताओं गोपाल राय, कैलाश गहलोत शपथ ग्रहण से पूर्व यहां सिविल लाइंस में केजरीवाल के निवास पर पहुंचे थे.

केजरीवाल ने सीएम पद से दे दिया था इस्तीफा- इस सप्ताह के प्रारंभ में आतिशी को आप के विधायक दल का नेता चुना गया था. इससे पहले केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की अप्रत्याशित घोषणा की थी और कहा था कि यदि लोग उन्हें 'ईमानदारी का प्रमाणपत्र' देते हैं तो ही वह मुख्यमंत्री पद पर लौटेंगे.

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह बने नए वायुसेना प्रमुख, 30 सितंबर से संभालेंगे कार्यभार

नईदिल्ली । आरएनएस

केंद्र सरकार ने वर्तमान में भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख पद पर कार्यरत एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को अगला वायुसेना प्रमुख नियुक्त किया है।अमर प्रीत 30 सितंबर की दोपहर से एयर चीफ मार्शल का पद ग्रहण करेंगे। वह एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी की जगह लेंगे, जो उसी दिन सेवानिवृत्त होंगे।बता दें कि विवेक राम चौधरी अपनी सेवा के दौरान परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट पदक से सम्मानित हो चुके हैं। एयर मार्शल अमर प्रीत को 21 दिसंबर, 1984 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में शामिल किया गया था। इसके बाद उन्होंने 1 फरवरी, 2023 को 47वें उप प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था।उन्होंने प्रतिष्ठित मध्य वायु कमान की कमान संभालने से पहले, पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी के रूप में कार्य किया।उन्होंने मिग-27 स्क्वाड्रन के फ्लाइट कमांडर और कमांडिंग ऑफिसर के साथ-साथ एयर ऑफिसर कमांडिंग सहित प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

एयर मार्शल अमर प्रीत एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट हैं, जिनके पास विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टरों पर 5,000 घंटे से अधिक उड़ान भरने का अनुभव है।वह स्वदेशी तेजस हल्के लड़ाकू विमान के परियोजना निदेशक (उड़ान परीक्षण) भी रहे हैंइतना ही नहीं, उन्हें अपने करियर के दौरान साल 2019 में अति विशिष्ट सेवा पदक और 2023 में परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

सड़क किनारे डंपर से टकराई बोलेरो, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

औरैया । आरएनएस

एरवाकटरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत शनिवार की दोपहर एक दिल दहला देने वाला सडक़ हादसा हुआ। नोएडा से कानपुर के कल्याणपुर जा रही एक बोलेरो गाड़ी लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे के 137.6 किलोमीटर के निकट खड़े डंपर से जा टकराई। हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान पीयूष यादव, नीता यादव, संजू उर्फ संजना और आरव के रूप में हुई, जो सभी सूरजपुर, नोएडा के निवासी थे। यह हादसा उस समय हुआ जब बोलेरो गाड़ी हरनागरपुर के समीप अचानक खड़े डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, और उसमें फंसे सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही एरवाकटरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी को काटकर उसमें फंसे शवों को बाहर निकाला। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा ने मामले की जांच की निगरानी की। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को हादसे की सूचना दी।

बडगाम में खाई में गिरी बस, 4 बीएसएफ जवान शहीद, खड़गे ने जताया दुख

नई दिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में चुनाव ड्यूटी के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को ले जा रही एक बस शुक्रवार, 20 सितंबर को दुर्घटना का शिकार हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए चुनाव ड्यूटी पर 36 बीएसएफ जवानों को ले जा रही बस बडगाम जिले के वतरहाल के ब्रेल के पास खाई में गिर गई। जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के चार जवान शहीद हो गए तथा 28 अन्य घायल हो गए।

दुर्घटना में बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

इस घटना को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के बडगाम में भयानक त्रासदी के बारे में सुनकर बेहद दुख हुआ, जहां चुनाव ड्यूटी के लिए ले जा रही बस के खाई में गिर जाने से 4 बीएसएफ जवानों की जान चली गई और लगभग 28 जवान घायल हो गए। बहादुरों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। उन्हें इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति मिले। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं, हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

वहीं घटना पर दुख जताते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा, हम इन समर्पित सैनिकों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने देश की अथक सेवा की। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं और उन्हें जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सभी आवश्यक सहायता और सहयोग का भरोसा देते हैं।

कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वीके बिरदी, बीएसएफ के कश्मीर फ्रंटियर के आईजी, कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर, एसएसपी श्रीनगर, एसएसपी बडगाम, डीसी बडगाम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उस अस्पताल का दौरा किया, जहां घायल जवानों को भर्ती कराया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी 3 दिवसीय दौरे के लिए अमेरिका रवाना

❐ क्वाड समूह को लेकर कही बड़ी बात

नईदिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अमेरिका की 3 दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हो गए हैं।वहां वह छठे क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे।प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका रवाना होने से पहले क्वाड को लेकर कहा कि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने वाले समान विचारधारा वाले देशों के एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है। आइए उनका पूरा कार्यक्रम जानते हैं।

कार्यक्रम के अनुसार, शिखर सम्मेलन में क्वाड नेता कैंसर रोगियों और उनके परिवारों पर प्रभाव, इस बीमारी को रोकने, पता लगाने, उपचार करने और इसे कम करने के लिए एक नयी महत्वाकांक्षी योजना शुरू करेंगे।इसके अलावा, क्वाड शिखर सम्मेलन में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और स्थिरता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी नेता स्वास्थ्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, आतंकवाद विरोधी और मानवीय सहायता पर चर्चा करेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी क्वाड के नेताओं में शामिल ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस, जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।प्रधानमंत्री ने इस बैठक को लेकर जारी एक बयान में कहा, राष्ट्रपति बाइडन के साथ मेरी बैठक हमें अपने लोगों और वैश्विक भलाई के लाभ के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए रास्तों की समीक्षा और पहचान करने की अनुमति देगी।

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमेरिका के साथ 2 समझौतों हिंद-प्रशांत आर्थिक रूपरेखा और भारत-अमेरिका औषधि रूपरेखा पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति जैसी वैश्विक चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी।इसी तरह 22 सितंबर को प्रधानमंत्री न्यूजर्सी में भारतीय समुदाय की एक सभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए 24,000 लोगों ने पंजीयन कराया है।

मौसम में सुधार होते ही चार धाम यात्रा में बढ़ने लगी भक्तों की तादाद

देहरादून । आरएनएस

इस साल 10 मई को शुरू हुई चार धाम यात्रा को पिछले महीने राज्य में आई आपदा के कारण रोकना पड़ा था। अब यात्रा ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। जैसे-जैसे मौसम साफ हो रहा है, श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। आपको बता दें कि सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक इस साल अब तक(21 सितंबर) 35 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चार धाम यात्रा कर चुके हैं।

रिकॉर्ड के मुताबिक, बद्रीनाथ धाम में अब तक 9,89,282 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जबकि केदारनाथ धाम में 11,45,897 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। गंगोत्री धाम में अब तक 6 लाख 72592 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। जबकि यमुनोत्री धाम में अब तक 5 लाख 83455 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। हेमकुंड साहिब में भी 1,66,503 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इतना ही नहीं, अब चारधाम यात्रा पर जाने के लिए 60 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पिछले साल 72 लाख तीर्थयात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि साल 2023 में 56 लाख तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे।

बता दें कि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा शुरू होने के एक महीने बाद यानि 19 जून तक कुल 24.60 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चार धाम के दर्शन कर चुके थे। इसके बाद मौसम खराब होने की वजह से यात्रा कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दी गई थी। इसके बाद अगस्त से श्रद्धालुओं का जाना शुरू हुआ। अब यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की संख्या बढऩे लगी है।

उत्तराखंड सरकार तीर्थयात्रियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। यात्रा मार्ग पर पेयजल की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है और तीर्थयात्रियों के ठहरने और खाने-पीने की भी व्यवस्था की गई है। तीर्थयात्रियों को सभी धामों में जाने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। तीर्थयात्रियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने और मानसून सीजन में सभी समस्याओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग और पर्यटन विभाग ने आपस में समन्वय स्थापित कर सभी जिलों को एसओपी भेज दी है।

तिरुपति बालाजी मंदिर मामले में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, गलत काम करने वालों को मिलनी चाहिए सजा

हुबली । आरएनएस

तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, गलत काम करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, नंदिनी घी पर प्रतिबंध के बाद, ऐसी चीजें खरीदी गईं और लड्डू तैयार किए गए। यह पिछली आंध्र प्रदेश सरकार और कांग्रेस की हिंदू विरोधी नीतियों के कारण हुआ है। उन्होंने मांग की कि इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल लोग ऐसा कर रहे हैं। देश की आस्था, संस्कृति और भक्ति को खराब नहीं किया जाना चाहिए।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, वह तो मोहब्बत की दुकान के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने राज्य में नफरत की राजनीति शुरू कर दी है। उन्होंने अपना संविधान विरोधी आचरण जारी रखा है। सिख भाइयों का अपमान किया गया है।

उन्होंने एक अन्य मामले में कहा, गणेश जुलूस में शामिल होने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री शनिवार को हुबली में पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने यहां पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स से एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, एक पौधा मां के नाम-एक पेड़ मां के नाम

पोस्ट में उन्होंने लिखा, प्रकृति को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पौधा मां के नाम और स्वच्छ भारत अभियान के तहत, आज हुबली-धारवाड़ नगर निगम द्वारा आयोजित स्वच्छता सेवा-2024 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। साथ ही स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

यह हम सभी का कर्तव्य है कि जिस प्रकार हम अपनी मां का सम्मान करते हैं, उसी प्रकार प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करें और प्रधानमंत्री के इस आह्वान को पूरे देश में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

तिरुपति लड्डू विवाद के बीच राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला, राज्य के सभी बड़े मंदिरों में होगी प्रसाद की जांच

जयपुर । आरएनएस

तिरुपति बालाजी (मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब राजस्थान से बड़ी खबर सामने आई है। राजस्थान सरकार ने राज्य के बड़े मंदिरों के प्रसाद की जांच करने के आदेश दिए हैं। इस आदेश के तहत राजस्थान में बड़े मंदिरों के प्रसाद की जांच की जाएगी। सरकार के आदेशानुसार 23 से 26 सितंबर के बीच ये जांच पूरी की जानी है। बता दें कि 14 मंदिरों के पास सर्टिफिकेट है। ऐसे में आदेश के बाद अब बड़े मंदिरों के प्रसाद की जांच का अभियान शुरू किया जाएगा।

बता दें कि दुनिया के सबसे धनवान मंदिरों में से एक तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में भक्तों को दिए जाने वाले लड्डुओं में जानवरों की चर्बी और फिश ऑयल होने की पुष्टि हुई है। इस खुलासे के बाद पूरे देश में हर कोई सन्न है। तिरुपति बालाजी मंदिर के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर शामला राव ने भी माना है कि मंदिर की पवित्रता भंग हुई है। शामला राव ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने मिलावट की जांच के लिए कोई कदम नहीं उठाए थे। उन्होंने कहा कि प्रसाद में मिलावटी घी की एक बड़ी वजह उसका रेट भी है।

हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रबाबू नायडू के आरोपों को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रसाद में मिलावटी घी का इस्तेमाल कभी नहीं हुआ, चन्द्रबाबू नायडू सिर्फ लोगों को भडक़ाने कर अपना राजनीतिक हित साध रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों का ध्यान भटकाने के लिए चंद्रबाबू नायडू ने ये झूठ फैलाया।